

51

माननीय राजस्व मण्डल सर्किट कोर्ट रीवा, मध्यप्रदेश

R 5079 ई 116

मृत्तु दाय नारिणीन्। —

बृजकिशोर सिंह पिता संकटा प्रसाद सिंह उम्र 75 वर्ष पेशा खेती निवासी ग्राम  
इटमा तहसील जवा, जिला - रीवा (म.प्र.) . — आवेदक / प्रार्थी



RS. 20/-

बनाम्

- 1- शास्वा प्रसाद सिंह पिता बिहारीलाल सिंह उम्र 72 वर्ष पेशा खेती मृत्तु
- 2- श्रीमती शशिप्रभा सिंह पत्नी श्याम किशोर सिंह उम्र 65 वर्ष पेशा गृहकार्य
- 3- गुलजार सिंह पिता रामप्रताप सिंह उम्र 50 वर्ष पेशा खेती
- 4- श्रीमती सुधा सिंह पत्नी गजराज सिंह उम्र 35 वर्ष पेशा गृहकार्य चारों निवासी ग्राम दूटमा तहसील जवा, जिला - रीवा (म.प्र.)
- 5- राजकिशोर सिंह पिता साधू सिंह उम्र 85 वर्ष पेशा खेती निवासी ग्राम भड़रा तहसील, जवा, जिला रीवा म.प्र.

— अनावेदकगण / प्रतिप्रार्थी

मी इन्होंने 15/2/16 के  
दारा आवेदक दिनांक 15/2/16 के  
प्रस्तुत किया जवा

मृत्तु  
सर्किट कोर्ट रीवा

पुनरीक्षण प्रार्थना पत्र विरुद्ध आदेश श्रीमान  
तहसीलदार सर्किल अंतरैला, तहसील जवा  
जिला रीवा राजस्व प्र.क. 2/अ-3/2014-15  
आदेश दिनांक 02.02.2016 बृजकिशोर सिंह  
बनाम शारदा प्रसाद सिंह व अन्य साकिन  
इटमा तहसील जवा, जिला रीवा

पुनरीक्षण प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 50 म.प्र.  
भूरा.संहिता 1959 ई.

मान्यवर,

पुनरीक्षण प्रार्थना पत्र के आधार निम्नांकित हैं:-

1. यहकि तहसीलदार सर्किल अंतरैला तहसील 'जवा जिला रीवा का आदेश अवैधानिक और अनियमित होने से हस्ताक्षेप योग्य है।
2. यहकि आवेदक ने ग्राम भड़रा सर्किल 20/2/16 को

R 5079

- ~~अमरतिया वाराणसी नगरपालिका~~ 1(अ) - रमरतिया पजी बुजाकिशो किसार - सिंह अम ७० वर्ष } सभानिकास ग्राम  
वाराणसी नगरपालिका । (ब) - नवरत्न लिंग पिता बुजाकिशो किसी उम्मीद ५३ वर्ष } इटमा तहाँले -  
मान बुजाकिशो किसी उम्मीद ५३ वर्ष } जना जिला -  
1(स) - गजराज लिंग पिता बुजाकिशो किसी उम्मीद ५० वर्ष } जीवा (५० पु.)  
1(द) - रविराज लिंग पिता बुजाकिशो किसी उम्मीद ३६ वर्ष } जीवा (३० पु.)  
1(ए) - श्रीमती शावीजला पुरी बुजाकिशो किसी उम्मीद पर्ण समयलावा सिंह  
उम्मीद ५० वर्ष साड़िन वांकर गढ़ तहाँले बारा जिला वलाहावाद (पुर.)  
1(फ) - श्रीमती शावीजला पुरी बुजाकिशो किसी उम्मीद हवं पर्णी योगेन्द्र किसी  
उम्मीद ३२ वर्ष माम साड़िन तहाँले वोधरा जिलारीजा (५० पु.)  
— विस्तु —

श्री ज्ञानदेव  
दारा आव दिनो  
प्रसुत किया चमा

- ~~अमरतिया वाराणसी नगरपालिका~~ 1(अ) - समरक्षणदुर्लिंग अम ५२ वर्ष } सभाकुमिला वाराणसी भृगुदरिता  
वाराणसी नगरपालिका । (ब) - अरविंद लिंग अम ४५ वर्ष } ग्राम - इटमा, तहाँले - जना  
मान लिंग अम ४२ वर्ष } जिला जीवा (५० पु.)  
1(स) - मान लिंग अम ४० वर्ष }  
1(द) - अरुण लिंग अम ४० वर्ष  
1(ए) - विनायक लिंग अम ३६ वर्ष  
1(फ) - मनीष लिंग अम ३४ वर्ष  
1(ग) - श्रीमती उमिला पुरी वाराणसी भृगुदरिता ग्राम पर्णी  
तहाँले बारा जिला इटमा इथाहावाद पूर्णी



राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—गवालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग—अ

प्रकरण क्रमांक 5079-दो/2016 निगरानी

जिला रीवा

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाष आदि के हस्ताक्षर
०२-०८-१८	<p>निगरानी की प्रचलनशीलता पर आवेदकगण के अभिभाषक के तर्क सुने गये। उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया। यह निगरानी तहसीलदार, वृत्त अतरैला तहसील जवा जिला रीवा के प्रकरण क्रमांक २ अ-३/२०१४-१५ में पारित आदेश दिनांक २-२-२०१६ के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, १९५९ की धारा ५० के अंतर्गत राजस्व मण्डल, म०प्र०गवालियर सर्किट कोर्ट रीवा में प्रस्तुत की गई है।</p> <p>२/ आवेदकगण के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्कों पर विचार करने एंव तहसीलदार, वृत्त अतरैला तहसील जवा जिला रीवा के प्रकरण क्रमांक २ अ-३/२०१४-१५ में पारित आदेश दिनांक २-२-२०१६ के अवलोकन से परिलक्षित है कि तहसीलदार का यह आदेश अंतिम स्वरूप का है क्योंकि तहसीलदार ने यह आदेश मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता १९५९ की धारा ७० के नक्शा तरमीम कार्यवाही पर पारित किया है, जिसके विरुद्ध प्रथम अपील उपखंड अधिकारी (अनुविभागीय अधिकारी) को प्रस्तुत होगी।</p> <p>म.प्र.राज्य बनाम जयरामपुर को-आपरेटिङ सोसायटी १९७९ रा.नि. ४६५ तथा केषरवाई विरुद्ध बद्दुआ १९९३ रा.नि. २२२ में बताया गया है कि मामला प्रथमतः उच्चतर प्राधिकार के समक्ष प्रस्तुत न करते हुये सबसे निचले न्यायालय में प्रस्तुत करना चाहिये।</p>	

आवेदकगण के अभिभाषक यह समाधान नहीं करा सके हैं कि ऐसी कौनसी विषम परिस्थितियां हैं अथवा विशिष्ट कारण हैं जिनके आधार पर निगरानी सीधे राजस्व मण्डल में सुनी जावे। आवेदक को इस आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष विधि के प्रावधानों के अनुसरण में अपील प्रस्तुत करने का उपचार प्राप्त है। विचाराधीन निगरानी राजस्व मण्डल में सीधे सुनवाई योग्य न होने से गुणदोष पर विचार किये बिना इसी-स्तर पर अमान्य की जाती है।



सरदार सिंह

